

रांची

शनिवार, वर्ष 10, अंक 192

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



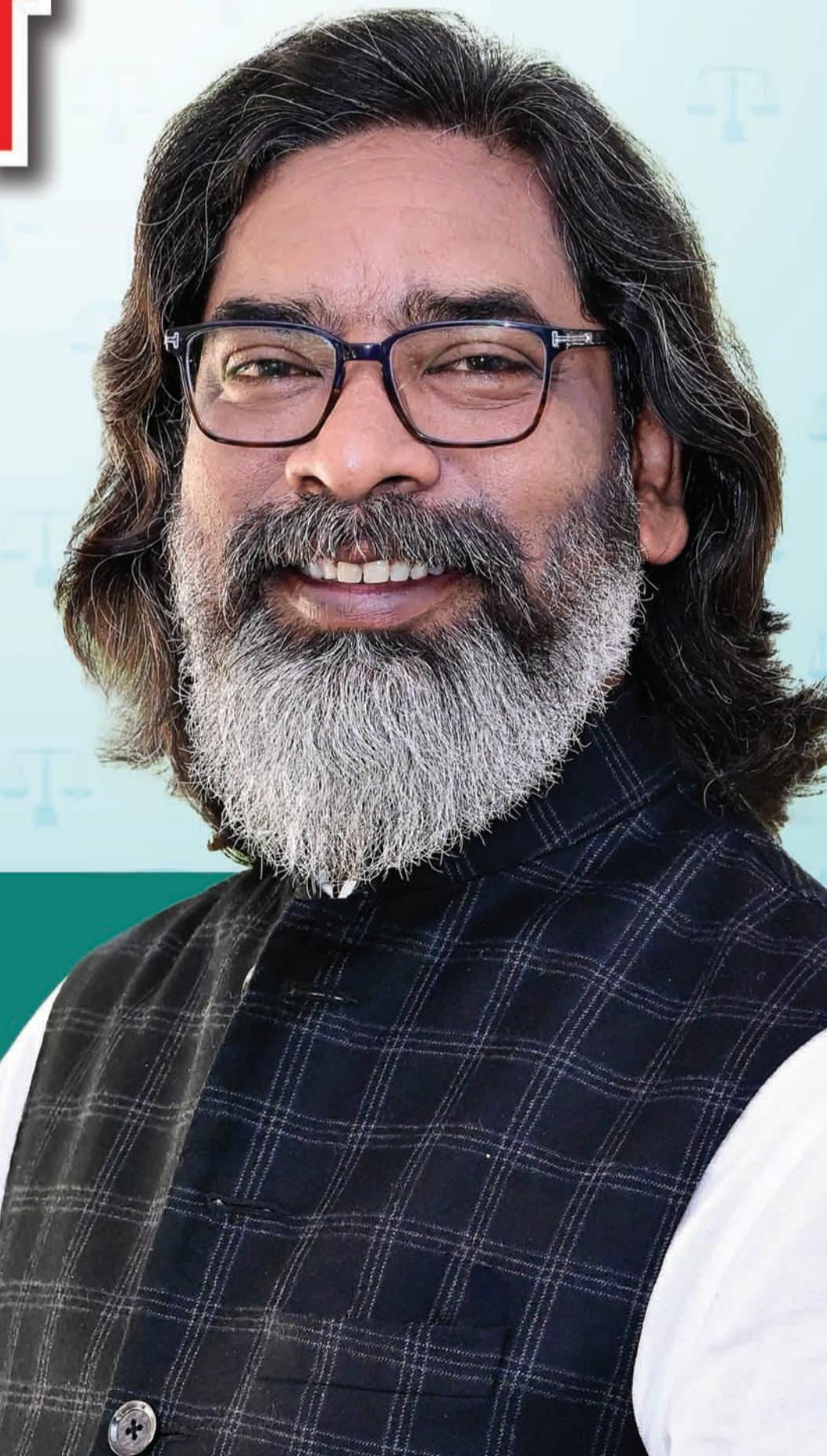
राज्यकर्मी स्वास्थ्य
बीमा योजना के अंतर्गत

**अधिवक्ताओं
के लिए
स्वास्थ्य बीमा
योजना**

का इुम्भारंभ



- ग्रामीण झारखण्ड उच्च न्यायालय के स्तर पर गठित अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के अंतर्गत निर्बंधित अधिवक्ताओं को बीमा का लाभ।
- वार्षिक प्रीमियम की राशि ₹6000 प्रति निर्बंधित अधिवक्ता का भुगतान राज्य सरकार झारखण्ड अधिवक्ता कल्याण कोष निधि न्यासी समिति को करेगी, जिसके द्वारा राशि JSAS को हस्तांतरित किया जाएगा।
- अधिवक्ताओं के आश्रितों को भी बीमा लाभ: पति/पत्नी/पुत्र/वैध दत्तक पुत्र (25 वर्ष की आयु तक बरातें बेरोजगार हो), पुत्री (अविवाहित/विवाहित/परिवर्त्यका पुत्री) नाबालिंग भाई एवं अविवाहित बहन एवं आश्रित माता-पिता (पेंशनर के मामले में प्रतिमाह ₹9000 और उस पर तत्समय अनुमान्य महंगाई राहत से कम पेंशन प्राप्त करने वाले)।
- दिव्यांग आश्रितों को आजीवन स्वास्थ्य बीमा।
- महिला अधिवक्ता के मामले में माता-पिता अथवा सास-सासुर में से कोई एक पक्ष।
- पति-पत्नी दोनों के राज्य सरकार के कर्मी होने की स्थिति में दोनों एक दूसरे को आश्रित की श्रेणी में नहीं दर्शा सकते हैं तथा उनके बच्चे दोनों में से किसी एक के ऊपर ही आश्रित माने जायेंगे।



५४

मुख्य अतिथि

४०

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

दिनांक: 3 मई, 2025 | समय: पूर्वावन 11:30 बजे
स्थान: हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची

74 साल बाद होगी देश में जातीय जनगणना, जातियों के डेटा जुटाने की दिशा में मोदी कैबिनेट का बड़ा कदम

- ओबीसी समुदाय के लिए आरक्षण और कल्याणकारी योजनाओं की मांग बढ़ने से गणना की मांग जोर पकड़ने लगी
 - कांग्रेस ने 2011 में सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना का फैसला किया, बजट पास हुआ, जनगणना पूरी हुई, लेकिन डेटा सार्वजनिक नहीं किया

देश में आजादी के बाद पहली बार जाति जनगणना करायी जायेगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को जाति जनगणना को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अशिवनी वैष्णव ने बताया कि इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह कदम सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देगा, साथ ही नीति निर्माण में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी। देश में इसी साल के आखिर में बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। ऐसे में क्यास लगाये जा रहे हैं कि जाति जनगणना की शुरुआत सिंतंबर

में की जा सकती है। हालांकि जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने में एक साल लगेंगे। ऐसे में जनगणना के अंतिम अंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में मिल सकेंगे। देश में इसकी जनगणना 2011 में दर्ता थी। उसे दो वर्ष में किया जाता

19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था। जाति-जनगणना के एलान के बाद राहुल गांधी ने कहा कि आखिरकार सरकार ने जाति-जनगणना की बात कह दी तो सरकार उसे दासीती रूप से भीता-

था कि जनगणना 'उचित समय' पर होगी और यह 2025 में शुरू हो सकती है। जिसके डेटा 2026 तक प्रकाशित हो सकते हैं। केंद्रीय कैबिनेट का हालिया फैसला 2025 में होने वाली जनगणना में सभी जातियों के डेटा जुटाने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। यह फैसला सामाजिक-आर्थिक नीतियों को और प्रभावी बनाने के लिए लिया गया है, विशेष रूप से उन समुदायों के लिए जो इससे विचित रहे हैं। आखिर जातिगत जनगणना है क्या, और इसके क्या फायदे और नुकसान क्या हो सकते हैं बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



जातिगत जनगणना का इतिहास

भारत में जातिगत जनगणना का इतिहास औपनिवेशिक काल से जुड़ा है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी, और 1881 से नियमित रूप से हर दस साल में यह प्रक्रिया शुरू हुई। उस समय जातिगत डेटा इकट्ठा करना सामान्य था। हालांकि, आजादी के बाद 1951 में यह फैसला लिया गया कि जातिगत डेटा इकट्ठा करना सामाजिक एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके बाद केवल एससी और एसटी का ही डेटा इकट्ठा किया गया।

आरक्षण और
कल्याणकारी

योजनाओं की मांग बढ़ी पिछले कुछ सालों में सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों में बड़ा बदलाव आया है। ओबीसी समुदाय के लिए आरक्षण और कल्याणकारी योजनाओं की मांग काफी बढ़ गयी है। ऐसे में जातिगत जनगणना की मांग फिर से जोर पकड़ने लगी। 2011 में यूपी सरकार ने सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना (एसडीसीसी) की थी, लेकिन इसके आंकड़े विसंगतियों के कारण सार्वजनिक नहीं किये गये। बिहार, राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों ने स्वतंत्र रूप से जातिगत सर्वे किये, जिनके नतीजों ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में ला दिया।

**विपक्षी दल लंबे समय
से कर रहे थे मांग**

10 of 10



का सहयोगी दल जदयू भी जारी जननगणना के पक्ष में था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे सामाजिक-न्याय का आधार बताते हुए प्रभाव के लोकसभा चुनाव में इसे प्रमुख मुद्दा बनाया था। क्षेत्रीय दलों व मानना है कि जातिगत अंकनीति निर्माण में मदद करेंगी। जबकि केंद्र सरकार ने घटले इन प्रशासनिक रूप से जटिल अंसामाजिक एकता के लिए खत्त माना था।

**2011 में सामाजिक-
आर्थिक गणना हुई**
लेकिन आंकड़े जारी नहीं
मनमोहन सिंह सरकार के
दौरान 2011 में सामाजिक-

आर्थिक और जातिगत जनगणना करवायी गयी थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किये गये। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एससी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किये गये हैं।

**जातिगत
जनगणना के बया
हो सकते हैं फायदे?**

विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। उनका कहना है कि जातिगत आंकड़े सरकार को विभिन्न समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेंगे। उदाहरण के लिए, यह पता लगाया जा सकता है कि कौन सी जातियां शिक्षा, रोजगार, और स्वास्थ्य सेवाओं में सबसे ज्यादा वर्चित हैं। इससे कल्याणकारी योजनाओं को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इसके अलावा ओबीसी और अन्य वर्चित समुदायों की सटीक जनसंख्या के अभाव में, अरक्षण नीतियों को लागू करना और संसाधनों का उचित वितरण करना मुश्किल हो रहा है। मंडल

आयोग (1980) ने ओबीसी की आवादी को 52% माना था, लेकिन यह अनुमान पुराना डेटा पर आधारित था। नये आंकड़े अरक्षण की सीमा और वितरण को और पारदर्शी बना सकते हैं।

जातिगत जनगणना से उन समुदायों की पहचान हो सकेगी जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं। जातिगत डेटा सामाजिक असमानताओं को उजागर करेगा, जिससे सरकार और समाज को इन मुद्दों को संबोधित करने का अवसर मिलेगा। उदाहरण के लिए अगर किसी विशेष जाति की आय या शिक्षा का स्तर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है, तो इसे सुधारने के लिए नीतियां बनायी जा सकती हैं।

जातिगत जनगणना के नुकसान

जातिगत जनगणना के कई फायदे हैं, लेकिन इसके संभावित नुकसान और जोखिम भी कम नहीं हैं। आलोचकों का मानना है कि यह सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर कई चुनौतियां पैदा कर सकता है। आलोचकों का तर्क है कि जातिगत जनगणना समाज में पहले से मौजूद जातिगत विभाजन को और गहरा कर सकती है। वहीं जातिगत आंकड़ों का उपयोग राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति के लिए किया जा सकता है। क्षेत्रीय दल और जातिगत आधार

2010 में लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव जैसे ओबोसी नेताओं ने मनमोहन सरकार पर जातिगत जनगणना कराने का दबाव बनाया। इसके साथ ही पिछड़ी जाति के कांग्रेस नेता भी ऐसा चाहते थे। वहीं मनमोहन सरकार ने 2011 में सामाजिक अर्थिक जाति जनगणना यानी एसईसीसी कराने का फैसला किया। इसके लिए 4 हजार 389 करोड़ रुपये का बजट पास हुआ। 2013 में ये जनगणना पूरी हुई, लेकिन इसमें जातियों का डेटा आज तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

**15 मई तक खाते में
आ सकती है मर्झियां
योजना की राशि**



हड्डी के मुकदमों को ऐसेह करना है।

इडा के मुकदमा का मनज करना होगा और सरकार के भ्रष्टाचार का खुलासा करने वाले गवाहों पर झूठे केस चलाकर दबाव बनाना होगा। तभी से यह अटूट साज़ेदारी चली आ रही है। बरना झारखंड प्रशासन में वरिष्ठ और योग्य आईपीएस अफसरों की कोई कमी न तो पहले थी, न ही आज है। कहा कि अनुराग गुप्ता के प्रयास से इडी के अफसरों को डराने और काम से रोकने के लिए तीन-तीन मुकदमे पुलिस में दर्ज करवाये गये। जिनके जांच और कार्रवाई

पर हाइकोर्ट को रोक लगानी पड़ी ज्या

अवहेलना करके अनुराग गुप्ता
कार्यवाहक डीजीपी बनाया
गया। फिर सुप्रीम कोर्ट की
टक्कर के बाद 7 जनवरी को
नान-फानन में ऑल इंडिया
वर्वेस रूल्स (1958) को
किनार करते हुए सरकार ने
जीपी की नियुक्ति के लिए एक
नीयमावली ही बना डाली।

कहा एक आल झाड़िया सावस
यमों के अनुसार, सरकार को
जीपी की नियुक्ति के लिए पैनल
अनुशंसा यूपीएससी को भेजनी
ती है, किंतु झारखण्ड सरकार ने
पनी मर्जी से नियम बनाकर यह
मेदारा खुद ही ले ली। यह
भाति जानते हुए कि अनुराग
ता 30 अप्रैल को रिटायर होने
ले हैं, सरकार ने सारे नियम-
नुमों को धत्ता बताते हुए 3
रवरी को उन्हें झारखण्ड का
जीपी नियुक्त कर दिया।
नबूझकर रिटायरमेंट के 2
दिन पहले नियुक्ति करना दर्शाता
कि वे नियुक्ति के बाद कम से
म दो साल डीजीपी बनाये रखने
ले नियम का इस्तेमाल अपने
जनीतिक फायदे के लिए कर रहे

संपादकीय

एनडीए ने बनायी बढ़त

के द्रस्तव्य का अगली जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने का निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौती पूर्ण भी। यह कदम देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदल सकता है। यह भी तय है कि जाति जनगणना के बाद जातियां आबादी के हिसाब से आरक्षण की भी मांग करेंगी। वहाँ, एनडीए सरकार के इस कदम के साथ विषय के हाथ से एक बड़ा मुद्दा भी निकल गया है, जिसे उसने पिछले चुनाव में भुनाने की कोशिश की थी। जनगणना का इतिहास : भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुक्मत के तौर में सन 1872 में हुई थी। 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन 1951 में जब पहली नई जनगणना की कोशिश गयी, तो तब हुआ कि अब जाति से जुड़े अंकड़े नई जुटाये जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 के सामाजिक अधिक और जातिगत जनगणना (एसएसीसी) में जाति के अंकड़ों को सरकार ने इसलिए सार्वजनिक नहीं किया, क्योंकि इसमें ही विसर्गतया बतायी गयी थी।

राजनीति का सवाल : विषयी दलों ने जाति जनगणना की मांग

इसलिए उठायी थी, ताकि आधार पर अग्रे आरक्षण को तकरीबन बनाया जाये और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जाये। भाजपा पहले तो इसे लेकर दुविधा में थी, लेकिन जाति जनगणना का एलान कर उसने

इस मुद्दे पर बढ़त बना ली है, लेकिन यह भी देखना होगा कि इसके अंकड़े अनेक अनेक के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से वह कैसे निपटती है। फिर इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहाँ भी इसे लेकर विवाद चल रहा है।

कर्नाटक के सबक : हाल में कर्नाटक में जाति जनगणना की रिपोर्ट लीक हो गयी। इसने वहाँ कागिस सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी। रिपोर्ट में अंबेसी के लिए आरक्षण को 32% से बढ़ा कर 51% और मुस्लिम समुदाय के लिए 4% से 8% करने की सिफारिश की गयी थी। वहाँ, राज्य में प्रभावशाली लिंगायत और दोकालिंगा समुदायों की आबादी उनकी उम्मीद से कम निकली। सर्वे के तरीके पर भी सवाल उठाये गये।

विवादों से बच कर : केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जातिगत जनगणना की घोषणा करते हुए कहा कि इससे समाज अर्थात् सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा। लेकिन, अगर इसे सही ढंग से नहीं संभाला गया, तो वह विवाद भी खड़े कर सकता है।

कर्नाटक हो या विहार, पुरुषों सर्वे यही तबताए हैं कि कभी भी, हर कोई पुरी तरह संघट नहीं हुआ। यह भी तय है कि इससे आरक्षण का मुद्दा जोर पकड़ सकता है।

अभिमत आजाद सिपाही

वर्ड गोल्ड काउलिंग के अनुसार जनवरी-मार्च 2025 के दौरान भारत में सोने की मांग 15% घटकर 118.1 टन रह गयी, जबकि इसी अवधि में इसकी कुल पैलू 22% बढ़ कर 94,030 क्रोड पहुंच गयी। यह विशेषांग दिखाता है कि गोल्ड प्राइस का सीधा असर उपग्रेडों की पर्याप्ति देखी गयी, जिससे 10 ग्राम सोना 1 लाख के आंकड़े के करीब पहुंच गया।

सोने-चांदी में गिरावट खरीदारी का मौका या इंतजार



सुधा श्रीमती

द्रूप की ओर से लगाये गये 26 पर्सेंट टैरिफ के बाद 94000 रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच चुके

सोने की कीमतों में 3% और चांदी की कीमतों में 10% तक की तेज गिरावट आयी। ऐसे में सावल उठने लगे हैं कि ट्रेड वॉर से मंदी की आंशका के बीच सोने की कीमतें एक लाख रुपये तक पहुंच जायेंगी। या डिमांड में कमी से इसमें गिरावट आयेगी? यह खरीदारी का मौका है कि अभी इंतजार करना सही होगा? टैरिफ का जेम जूरी इंडस्ट्री पर क्या असर होगा?

इन सवालों के जबाब हमें एन्डीटी ऑफिस आए एक्सप्टर्स से फेसबुक लाइव सेशन में दिया।

डेंड महीने तक सोने-चांदी में रहेगी गिरावट : ईड्ड्या बुलियन एंड जूलर्स पर्सेसिस्लेशन (आईबीएजे) के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता ने बताया कि टैरिफ लगाने की खबरों का असर सोने-चांदी की कीमतों में पहले ही दिख चुका है। अब

टैरिफ पर फॉकस होगा। ये पूरी गोलबल

महगांड़ और ट्रेड वॉर बढ़ने से हम भी

मंदी की तरफ बढ़ेंगे। घोलू जेम्स व जूलरी पर 27 पर्सेंट टैरिफ ऐसा थार्ड है, जो मुंबई संपर्क देश भर के लाखों लोगों के रोजगार छीन सकता है।

अब गोलबल ऑर्डर भी तेजी के समी क्रैक्स हैं।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी कैसल होंगे। हो सकता है कि सरकार हस्तक्षेप करे। डेंड-दो महीने में टैरिफ का व्यापक असर अनेक सोने-चांदी की तेजी में बढ़ेगा। अब गोलबल ऑर्डर भी कैसल होंगे। हो सकता है कि सरकार हस्तक्षेप करे। डेंड-दो महीने में टैरिफ का व्यापक असर अनेक सोने-चांदी की तेजी में बढ़ेगा।

जानवरी से 84,000 रुपये प्रति किलो तक



लुड़क सकती है। दीवाली तक सोना वापस 97-98000 रुपये पहुंचने के अनुमान हैं।

चांदी 1,12000-1,15000 रुपये तक पहुंच सकती है। ऐसे में यह बारवस्त एवं निवेशकों के लिए खरीदारी का अच्छा

मौका है।

सोने में तेजी के सभी कारण मौजूद :

डिडिया इड्ड्याइजरी के एमटी व डॉलर्सर अंजय केडिया ने कहा कि सोने में तेजी के सभी कारक मौजूद हैं। मसलन, जियो-

पॉलिटिकल ट्रैन्स, टैरिफ के कारण ट्रेड वॉर, आर्थिक अनिश्चितता के साथ सकती है।

सोने में तेजी के सभी कारण मौजूद हैं।

असर से असर जारी हो दिख चुका है।

महगांड़ और ट्रेड वॉर बढ़ने से हम भी

मंदी की तरफ बढ़ेंगे।

घोलू जेम्स

व जूलरी पर 27 पर्सेंट टैरिफ

ऐसा थार्ड है, जो मुंबई

संपर्क देश भर के लाखों

लोगों के रोजगार छीन सकता है।

तेजी के समी क्रैक्स हैं।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

है, अब गोलबल ऑर्डर भी

कैसल होंगे।

तेजी के कारण पहले ही

रिटेल बिक्री 25-30 पर्सेंट कम है।

लोहरदगा/लातेहार

राहुल गांधी की जीत है जातिगत जनगणना की मंजूरी : धीरज साहू

आजाद सिपाही संवाददाता



बढ़ने की बात है और हम इसे भी लेकर के रहेंगे। श्री साहू ने कहा कि पूरे देश में कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है और इंडिया गठबंधन ही एकमात्र ऐसा जुझारू और जाहित के प्रति समर्पित गठबंधन है जिसके मुद्दे की तलाश आम लोगों के बीच में होती है जो कि वह किसी के मन को उपज होती है वा किसी व्यक्ति विशेष के दिमाग की। श्री साहू ने विश्वास व्यक्त किया कि आज सभी लोगों में जिस प्रकार का सकारात्मक सदृश गया है उसका काफिया देश को मिलेगा और जातिगत जनगणना होने के बाद न केवल जपानी स्तर पर सही एवं सटीक निर्णय लिये जायेंगे विलक्षण उसी के अनुसार सरकार की प्रबल समर्थन का पात्र सरकार को चला तो उसने जातिगत जनगणना को अपनी मंजूरी दे दी। श्री साहू ने कहा कि जातिगत के तहत 6 मई को राजनीतिकों के पुराना विधानसभा मैदान में अयोग्यता संविधान बचाओ रैली के प्रति भारी संख्या में आम लोगों का सकारात्मक रुझान और समर्थन मिल रहा है।

भंडरा में हाथी ने मचाया उत्पात घरों और फसलों को कर रहे बर्बाद

तथ्यज्ञ खाकर आयान फरमाता है
ग्रामीणों ने बत विभाग से हाथी को नगानी की मांग की है

कुम्हरिया गांव के किसान तरबूज की खेती बड़े पैमाने पर किये जाते हैं। हाथी तरबूज को बड़े चाव से खाता है और पतरा के अंदर घुसकर आराम करफारा है। खड़े हुए हाथी के द्वारा कई घरों को एवं किसानों के फसलों को नुकसान पहुंचाया जा चुका है। हाथी के द्वारा कई घरों को एवं किसानों के फसलों को नुकसान पहुंचाया जा चुका है।

बगुला पतरा के बगल में असफल है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। चार दिनों से हाथी के आतंक से भंडरा प्रखंड क्षेत्र के लोग भयभीत हैं। हाथी बगुला पतरा में अड्डा जमाये हुए हैं। शम में हाथी पतरा से निकलता है और आसपास के गांव में उत्पात मचाता है। दिन में वह पतरा में रहता है। दिन में वह पतरा में रहता है।

अप्रैल की रात एक बजे को हाथी हाटी कुम्हरियों गांव पहुंच गया। गांव में अपरा तफरी मच गयी। लोग घरों से निकलकर भागने लगे। लोगों को बचाने के क्रम में हाटी कुम्हरियों गांव के पारा शिक्षक उत्तरांग गंभीर रूप से घायल हो गये। हाटी गांव में हाथी झरिया उत्तरांग का खिड़की एवं दरवाजा तोड़ दिया। सामारा उत्तरांग का एस्ब्रेस्टस सीट का घर को ध्वस्त कर दिया। झरिया उत्तरांग का लुंदरु साहू के खेत में लगे मिर्च के फसल को भी हाथी द्वारा काफी क्षती पहुंचायी गयी है।

बगुला पतरा के बगल में असफल है।

बरवाडीह में बैंक-आधार लिंकिंग शिविर का आयोजन



आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। झारखंड सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री मंड़ीयों समान योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के बैंक खातों को आधार से लिंक करने को लेकर शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय सभापाल में विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी रेखा मिंज के निर्देश पर संविधान पचायत के लिए खिलाड़ियों ने अंगनवाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं की उपस्थिति में पंचायत के योजना से वीडियो और स्पोर्ट्स ट्रेनिंग का काम किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विजय कुमार पप्पू और सहायक नवल खिलाड़ियों को मेडल व प्रशिक्षण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मधुपुर प्रखंड कार्यालय में स्कूल रुआर कार्यशाला का उद्घाटन डॉप आउट बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ें : पर्मिनी देवी



आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। स्कूल रुआर 2025 के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का अयोजन प्रखंड कार्यालय सभागार में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रमुख पंचायती देवी, उप प्रमुख उमेश कुमार यादव, प्रखंड विकास प्रधानकारी अयोग वाई, बैंक टू स्कूल बच्चों को फिर से स्कूल के साथ भी बैंक टू स्कूल कार्यक्रम के तहत वैसे बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ना है, जो ड्राप आउट की श्रेणी में आ गये हैं या वैसे बच्चों को स्कूल लाना है, जो अब तक दास, बैंडीओ या तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। स्कूल रुआर 2025, बैंक टू स्कूल कैपेन के तहत इस कार्यशाला का आयोजन हुआ।

कार्यशाला के माध्यम से प्रखंड विकास प्रधानकारी अयोग वाई, बैंक टू स्कूल बैंपैन के तहत इस अधिकारी ने कहा कि

विकास प्रधानकारी ने कहा कि सरकार प्रत्येक साल की तरह इस साल भी बैंक टू स्कूल कार्यक्रम चला रहा है। इस कार्यक्रम के तहत वैसे बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ना है, जो ड्राप आउट की श्रेणी में आ गये हैं या वैसे बच्चों को स्कूल लाना है, जो अब तक दास, बैंडीओ या तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। कार्यशाला के माध्यम से प्रमुख ने मौजूद तमाम पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि वह इस अधिकारी में बढ़-चढ़ कर

कहा इस कार्यक्रम के तहत अलग-अलग दिवसों में होने वाले गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और अधिकारी को पूर्ण रूप से सफल बनाने का आह्वान किया।

वहीं इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी आवास विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्थापित गान प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया। मौके पर बच्चों को नये सिरे से विद्यालय से पंकज, कस्तूरबा के वार्डन समेत अन्य लोग मौजूद थे।

आरक्षी नीलमणि पासवान का निधन मर्माहत करनेवाला : डॉ सुनील खवाड़े



देवघर (आजाद सिपाही)। जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष डॉ सुनील खवाड़े ने गोद्वान जिला में पदस्थापित पुलिस जवान नीलमणि पासवान के असमिक्य निधन पर शोक एवं दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा नीलमणि पासवान कारी होनाराथ थे। उनका शक्तिकार यूं चला जाना स्तब्दकारी एवं समाहित करने वाला है। उन्होंने कहा कि खांडी वे कबड्डी संघ से जड़े हुए थे और मेरे पड़ोसी भी थे, इस वजह से मेरा उनसे व्यक्तिगत जु़़ार था। यह मेरी लिजी क्षति है। उन्होंने कहा कि नीलमणि न केवल एक करत्त्वयुक्त पुलिस जवान थे, बल्कि उन्होंने प्रतिभावान कबड्डी खिलाड़ी थे। उनमें अद्युत अनुशासन था। उन्होंने राज्यसरकारी प्रतियोगिताओं में स्वर्व पदक तक प्राप्त किया था। डॉ खवाड़े ने शक्ति की इस बेला में दिवांग पासवान के परिवर्जनों के सामने प्रकट करते हुए मृत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है। साथ ही कबड्डी संघ के सचिव धर्मेन्द्र देव, वीरेंद्र सिंह, आलोक सहित संघ के तमाम सदस्यों ने अपने हानिकार एवं प्रतिभावान खिलाड़ी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए दिवांग आत्मा की चिर शांति की प्रार्थना की है।

डेढ़ लाख के कपड़े और नगदी की चोरी



मधुपुर (आजाद सिपाही)। मधुपुर थाना क्षेत्र के गोंदलीटांड में बीती रात अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर आया। फैशन नामक एक रेडिएट कपड़ा दुकान में लगभग एक लाख 60 हजार मूल्य के वस्त्र और लालू में रखे बग 2200 रुपये चोरी कर ली है। दुकान मालिक अरमन असार द्वारा मधुपुर थाना में रखी रखी शिकायत दी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वीरी रात गोंदलीटांड स्कूल के सामने भी रेडिएट वस्त्र की दुकान आयश फैशन में रात अज्ञात चोरों ने पीछे सेंधमारी कर दुकान में रखा सूट का पीस 10 बंडल, जीस पैंट 10 बंडल, शर्ट तथा नॉर्मल शर्ट एवं साथी एवं छोटा-मोटा सामान की कीमत 1 लाख 60 हजार रुपया तथा दुकान के गले में 22 हजार रुपये रखे चुरा लिये। मधुपुर थाने की पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर जांच-पड़ताल में जुटी गयी है।

काफी संख्या में पहुंच कर अपना अपनी आपार सीडीओ राजीव कुमार ने बताया कि वह शिविर एक मई से सात मई तक लगातार 7 दिन तक चलेगा, जो भी मैंडिंग समान योजना का लिस्ट मेरे पास है। इसके अलावा सुचना पहुंच पर चिपका रखिया गया है, ताकि अपना लेकर नार परिषद कार्यालय के सभागार में विशेष कैप का आयोजन किया गया। इसके अलावा मधुपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायत में भी शिविर का आयोजन किया गया है। कैप में सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक मैंडिंग समाप्त होने के बाद आपार संबंधी कार्यालय में विद्यार्थी आयोजित किया गया है। मौके पर सीओ यामुन रविवास, संजय कुमार मिश्रा, बीडीओ अजय कुमार दास, कंप्यूटर ऑफिसर राजेंद्र कुमार, पंकज कुमार, राहुल कुमार, मेहताब आलम, नवाब असराई, समान योजना के लाभुक महिला समेत अंचल कर्मी उपस्थित हैं।

आधार सीडिंग के लिए मधुपुर में लगा शिविर



एसडीओ राजीव कुमार ने निरीक्षण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। देवघर (आजाद सिपाही)। मधुपुर थाना क्षेत्र के गोंदलीटांड में बीती रात अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर आया। फैशन नामक एक रेडिएट कपड़ा दुकान में लगभग एक लाख 60 हजार मूल्य के वस्त्र और लालू में रखे बग 2200 रुपये चोरी कर ली है। दुकान मालिक अरमन असार द्वारा मधुपुर थाना में रखी रखी शिकायत दी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वीरी रात गोंदलीटांड स्कूल के सामने भी सेंधमारी कर दुकान में रखा सूट का पीस 10 बंडल, जीस पैंट 10 बंडल, शर्ट तथा नॉर्मल शर्ट एवं साथी एवं छोटा-मोटा सामान की कीमत 1 लाख 60 हजार रुपया तथा दुकान के गले में 22 हजार रुपये रखे चुरा लिये। मधुपुर थाने की पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर जांच-पड़ताल में जुटी गयी है।

Now Showing

SUJATA PICTURE PALACE

Raid 2

at Screen-1 (Sujata) Schedule For 03rd May, 2025 onwards!

Raid 2 : 11.00, 1.45, 4.45, 7.30

at Screen-2 (Miniplex)

HIT -The Third Case : 10.15, 3.45

Raid 2 : 6.45

Jeet : 1.15

* Due to security reasons, only mobiles, wallets & ladies handbags allowed. Patrons are requested to reach the cinema 30 mins before the start of the show to avoid any inconvenience.

* All above information is subject to change without prior notice.

EXPERIENCE The Happy Riding

28,000/- Only

Low Cost Maintenance

License Free

Battery Cost Extra

One year warranty

J.K. SALES

Pillar No.83, In between O.T.C. Ground & Piska More, Ratu Road, Beside M-Bazaar, Lakdi Tall, Ranchi.

M.-**9386070011, 9386070051**

प्रकाशित

शारदंड अधिकारी, रोपी द्वारा आयोजित वर्ष-XI की बोर्ड परीक्षा - 2025 के लिए JCERT, रोपी द्वारा जारी नवी संस्कृत पाठ्यक्रम (संस्कृतपाठ्यक्रम) पर पूछते: आपको एक अल्पतर समय लेने वाला है। उनको बताया जाता है कि वह शिविर एक मई से सात मई तक लगातार 7 दिन तक चलेगा, जो भी मैंडिंग समान योजना का लिस्ट मेरे पास है। इसके अलावा सुचना पहुंच पर चिपका रखिया गया है, ताकि अपना लेकर नार परिषद कार्यालय के सभागार में विशेष कैप का आयोजन किया गया। इसके अलावा मधुपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायत में भी शिविर का आयोजन किया गया है। कैप में सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक मैंडिंग समाप्त होने के बाद आपार संबंधी कार्यालय में विद्यार्थी आयोजित किया गया है। मौके पर सीओ यामुन रविवास, संजय कुमार मिश्रा, बीडीओ अजय कुमार दास, कंप्यूटर ऑफिसर राजेंद्र कुमार, पंकज कुमार, राहुल कुमार, मेहताब आलम, नवाब असराई, समान योजना के लाभुक महिला समेत अंचल कर्मी उपस्थित हैं।

Vernaa's Today CHAPTER WISE CLASS - XI ARTS, SCIENCE, COMMERCE

2025

All Subjects Combined in ONE BOOK

Arts Subject Hindi (Core), English (Core), Hindi (Elective), English (Elective), Economics, History, Geography, Sociology, Psychology, Philosophy and Home Science

Science Subject Hindi (Core), English (Core), Economics, Physics, Chemistry, Mathematics, Biology and Computer Science

Commerce Subject Hindi (Core), English (Core), Accountancy, Business Studies, Commercial Arithmetic, Entrepreneurship and Computer Science

Yojana Paper I&II (1st & 2nd), अंग्रेजी (1st & 2nd), अंग्रेजी (3rd & 4th), अंग्रेजी (5th & 6th), अंग्रेजी (7th & 8th), अंग्रेजी (9th & 10th), अंग्रेजी (11th & 12th), अंग्रेजी (13th & 14th), अंग्रेजी (15th & 16th), अंग्रेजी (17th & 18th), अंग्रेजी (19th & 20th), अंग्रेजी (21st & 22nd), अंग्रेजी (23rd & 24th), अंग्रेजी (25th & 26th), अंग्रेजी (27th & 28th), अंग्रेजी (29th & 30th), अंग्रेजी (31st & 32nd), अंग्रेजी (33rd & 34th), अंग्रेजी (35th & 36th), अंग्रेजी (37th & 38th), अंग्रेजी (39th & 40th), अंग्रेजी (41st & 42nd), अंग्रेजी (43rd & 44th), अंग्रेजी (45th & 46th), अंग्रेजी (47th & 48th), अंग्रेजी (49th & 50th), अंग्रेजी (51st & 52nd), अंग्रेजी (53rd & 54th), अंग्रेजी (55th & 56th), अंग्रेजी (57th & 58th), अंग्रेजी (59th & 60th), अंग्रेजी (61st & 62nd), अंग्रेजी (63rd & 64th), अंग्रेजी (65th & 66th), अंग्रेजी (67th & 68th), अंग्रेजी (69th & 70th), अंग्रेजी (71st & 72nd), अंग्रेजी (73rd & 74th), अंग्रेजी (75th & 76th), अंग्रेजी (77th & 78th), अंग्रेजी (79th & 80th), अंग्रेजी (81st & 82nd), अंग्रेजी (83rd & 84th), अंग्रेजी (85th & 86th), अंग्रेजी (87th & 88th), अंग्रेजी (89th & 90th), अंग्रेजी (91st & 92nd), अंग्रेजी (93rd & 94th), अंग्रेजी (95th & 96th), अंग्रेजी (97th & 98th), अंग्रेजी (99th & 100th), अंग्रेजी (101st & 102nd), अंग्रेज